

## अमृत सरोवर मशिन

### प्रलिस के ललतः

अमृत सरोवर मशिन, आजादी का अमृत महोत्सव, मनरेगा, XV वतित आयुग अनुदान, पीएमकेएसवाई ।

### मेन्स के ललतः

सरकारी हसुतकषेप और नीतयिँ, XV वतित आयुग अनुदान, अमृत सरोवर मशिन ।

## चरुा में कुयुँ?

केंद्र सरकार ने रेल मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रिय राजमार्ग प्राधकिरण (NHAI) से कहा है कुवे अमृत सरोवर मशिन के तहत देश भर के सभी ज़िलों में तालाबों/टैकों से खुदाई की गई मृदा/गाद का उपयोग अपनी बुनयिादी ढँचा परयुोजनाओं के ललतः करेँ ।

## अमृत सरोवर मशिन:

### परचियः

- अमृत सरोवर मशिन 24 अप्रैल 2022 को जल संरकुषण के उद्देशु से शुरु कयिा गया था ।

### लकुषुयः

- मशिन का उद्देशु आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के रूप में देश के प्रत्येक ज़िले में 75 जल नकियुँ का वकिस और कायाकल्प करना है ।
- कुल मलिकर इससे लगभग एक एकड़ या उससे अधकि आकार के 50,000 जलाशयुँ का नरिमाण हुगा ।
- मशिन इन प्रयासुँ को पूरा करने के ललतः नागरकि और गैर-सरकारी संसाधनुँ को जुटाने को प्रोत्साहति करता है ।

### शामलि मंत्रालयः

- यह मशिन 6 मंत्रालयुँ/वभियुँ के साथ संपूरण सरकारी दृषुकुिण के साथ शुरु कयिा गया है, अरुथातः
  - ग्रामीण वकिस वभियुँ
  - भूमि संसाधन वभियुँ
  - पेयजल एवं स्वचुछता वभियुँ
  - जल संसाधन वभियुँ
  - पंचायती राज मंत्रालय
  - वन, पर्यावरण और जलवायु परविरुतन मंत्रालय ।

### तकनीकी भागीदारः

- भासुकराचारुय राष्ट्रिय अंतरकुष अनुप्रयुग और भू-सूचना वजिज्ञान संस्थान (BISAG-N) को मशिन के ललतः तकनीकी भागीदार के रूप में नयुकुत कयिा गया है ।

### वभिननि युोजनाओँ के साथ पुनः धुयान केंद्रति करनाः

- यह मशिन राजुयुँ और ज़िलुँ के माधुयम से मनरेगा, XV वतित आयुग अनुदान, पीएमकेएसवाई उप युोजनाओँ जैसे वाटरशेड वकिस घटक, हर खेत को पानी के अलावा राजुयुँ की अपनी युोजनाओँ पर फरि से धुयान केंद्रति करके काम करता है ।

### लकुषुयः

- मशिन अमृत सरोवर को 15 अगसुत 2023 तक पूरा कयिा जाना है ।
- देश में करीब 50,000 अमृत सरोवर बनाए जाने हैं ।
  - इनमें से प्रत्येक अमृत सरोवर 10,000 घन मीटर की जल धारण कुषमता के साथ 1 एकड़ कुषेतर में हुगा ।
- मशिन में लुगुँ की भागीदारी केंद्र में है ।
  - स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी, उनके परवार के सदसुय, शहीद के परवार के सदसुय, पद्म पुरसुकार वजिता और स्थानीय कुषेतर के नागरकि जहाँ अमृत सरोवर का नरिमाण कयिा जाना है, सभी चरणुँ में संलगन रहेंगे ।
- प्रत्येक 15 अगसुत को प्रत्येक अमृत सरोवर स्थल पर राष्ट्रिय ध्वजारुहण का आयुजन कयिा जाएगा ।

### उपलब्धियुँ:

- अब तक राज्यों/ज़िलों द्वारा अमृत सरोवरों के निर्माण के लिये 12,241 स्थलों को अंतिम रूप दिया जा चुका है, जिनमें से 4,856 अमृत सरोवरों पर काम शुरू हो गया है।

## आज़ादी का अमृत महोत्सव:

- आज़ादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता के 75 वर्ष और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिये भारत सरकार की एक पहल है।
- यह महोत्सव भारत के लोगों को सम्पत्ति है, जिन्होंने न केवल भारत को अपनी वक़ासवादी यात्रा में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि इसमें आत्मनिर्भर भारत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत 2.0 को सक्रिय करने के दृष्टिकोण को सक्षम करने की शक्ति और क्षमता भी है।
- 12 मार्च 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा शुरू हुई, जसिने हमारी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के लिये 75-सप्ताह की उलटी गिनती शुरू की जो 15 अगस्त 2023 को एक वर्ष के बाद समाप्त होगी।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

**प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन भारत सरकार के 'हरति भारत मशिन' के उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है? (2016)**

1. संघ और राज्य के बजट में पर्यावरणीय लाभों और लागतों को शामिल करना जसिसे 'हरति लेखांकन' को लागू किया जा सके।
2. कृषि उत्पादन बढ़ाने हेतु दूसरी हरति क्रांति शुरू करना ताकि भविष्य में सभी के लिये खाद्य सुरक्षा सुनिश्चिता हो सके।
3. अनुकूलन और शमन उपायों के संयोजन से वन आवरण को बहाल करना और बढ़ाना तथा जलवायु परिवर्तन का प्रतित्तर देना।

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (c)**

- हरति भारत के लिये राष्ट्रीय मशिन, जसि हरति भारत मशिन (GIM) के रूप में भी जाना जाता है, जलवायु परिवर्तन पर भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत उल्लिखित आठ मशिनों में से एक है। इसे फरवरी 2014 में लॉन्च किया गया था।
- **मशिन के लक्ष्य:**
  - वन/वृक्ष आच्छादन को 5 मिलियन हेक्टेयर (mha) तक बढ़ाना और वन/गैर वन भूमि के अन्य 5 mha पर वन/वृक्ष आवरण की गुणवत्ता में सुधार करना। वभिन्न वन प्रकारों और पारस्थितिक तंत्रों (जैसे, आर्द्रभूमि, घास के मैदान, घने जंगल, आदि) के लिये अलग-अलग उप-लक्ष्य मौजूद हैं। **अतः 3 सही है।**
  - मध्यम घने, खुले वन, अवक्रमित घास के मैदान और आर्द्रभूमि (5 मिलियन हेक्टेयर) सहति वनों/गैर-वनों की वनावरण और पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार।
  - उनमें से प्रत्येक के लिये अलग-अलग उप-लक्ष्यों के साथ स्क्वब, शफ्टिगि खेती क्षेत्रों, शीत मरुस्थल, मैंग्रोव, खड्डों और परतियक्त खनन क्षेत्रों (1.8 मिलियन हेक्टेयर) की पारस्थितिकी-पुनरस्थापना / वनीकरण।
  - शहरी / उपनगरीय भूमि में वन और वृक्षों के आवरण में सुधार (0.20 मिलियन हेक्टेयर)।
  - कृषि वानिकी/सामाजिक वानिकी के अंतर्गत सीमांत कृषि भूमि/परती और अन्य गैर-वन भूमि पर वन और वृक्ष आवरण में सुधार (3 मिलियन हेक्टेयर)।
  - ईको-सिस्टम सेवाओं जैसे कार्बन सीक्वेश्ट्रेशन और स्टोरेज (जंगलों और अन्य पारस्थितिक तंत्रों में), हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं और जैव विविधता में सुधार / वृद्धि करना; प्रावधान सेवाओं के साथ-साथ ईंधन, चारा, और लकड़ी और गैर-लकड़ी वन उत्पाद (लघु वन उत्पाद या एमएफपी) आदि, जो उपचार के परणामस्वरूप 10 मिलियन हेक्टेयर की होने की उम्मीद है।
  - इन वन क्षेत्रों में और आसपास के लगभग 30 लाख परिवारों के लिये वन आधारित आजीविका आय में वृद्धि करना; और वर्ष 2020 तक वार्षिक CO<sub>2</sub> ज़ब्ती को 50 से 60 मिलियन टन तक बढ़ाना। दूसरी हरति क्रांति शुरू करना और केंद्र और राज्य के बजट में हरति लेखांकन को शामिल करना ग्रीन इंडिया मशिन का उद्देश्य नहीं है। **अतः 1 और 2 सही नहीं हैं।**

**अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।**

**स्रोत : द हिंदू**

